वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

बिहार के विश्वविद्यालयों के लिये

स्नातकोत्तर भोजपुरी

का

रूचि आधारित साख पद्धति

(Choice Based Credit System)

पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर भोजपुरी विभाग,
वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

NDRI.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

बिहार के विज़्वविद्यालयों के लिये

स्नातकोत्तर भोजपुरी

का

रूचि आधारित साख पद्धति

(Choice Based Credit System)

पाठ्यक्रम

*सेमेस्टर–1

M.A. (BHO) CC.01 – भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आदिकाल से मध्य काल तक) – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.02 – प्राचीन आ मध्यकालीन भोजपुरी काव्य – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.03 – कथा–साहित्य (उपन्यास–कहानी) – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.04 – भाषा विज्ञान आ भोजपुरी भाषा – 5 क्रेडिट / 100 अंक

* सेमेस्टर–2

M.A. (BHO) CC.05 – भारतीय काव्य शास्त्र – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.06 – आधुनिक भोजपुरी काव्य – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.07 – नाटक, निबंध, अनुवाद – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.08 – भारतीय साहित्य – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.09 – भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आधुनिक काल से अबतक) – 5 क्रेडिट / 100 अंक

* सेमेस्टर –3

M.A. (BHO) CC.10 – पाश्चात्य काव्य शास्त्र आ भोजपुरी आलोचना – 5क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.11 – प्रयोजनमूलक भोजपुरी – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.12 – भोजपुरी के कुँवर काव्य – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.13 – पत्रकारिता आ भोजपुरी पत्रकारिता – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) CC.14 – मॉरीशस के भोजपुरी साहित्य – 5 क्रेडिट / 100 अंक

* सेमेस्टर – 4

M.A. (BHO) EC. 01 – लोकनाटक आ रंगमंच अथवा उपन्यास – 5 क्रेडिट / 100 अंक
M.A. (BHO) EC. 02 – साहित्यिक निबंध अथवा लघु शोध प्रबंध – 5 क्रेडिट / 100 अंक

NDRTech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 1

M.A. (BHO) CC-01 भोजपुरी साहित्य के इतिहास 5 क्रेडिट / 100 अंक

(आदिकाल से मध्यकाल तक)

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $10\times 3 = 30$

   (कुल पॉच मे से तीन के उत्तर)

2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~5×5 = 25~~ $5\times 4 = 20$

   (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पाँच~~ चार के उत्तर)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : $2\times 10 = 20$

~~75~~ 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा 7.5×2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहार्पित कार्य (Assignment), पोस्टर 05
3. सेमिनार / क्विज 05
4. उपस्थिति / आचरण ~~05~~ = 05

~~25~~ 30

इकाई –1. इतिहास दर्शन, भोजपुरी साहित्य के इतिहास लेखन के परम्परा, समस्या आ ओकर मूल्यांकन, काल–विभाजन आ नामकरण

इकाई –2 सिद्ध आ नाथ–साहित्य, सिद्ध आ नाथ–साहित्य में भोजपुरी के तत्त्व, आदिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार आ रचना

इकाई –3 भक्तिकाल के सामाजिक सांस्कृतिक आ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भक्तिकाल के आविर्भाव के कारण, भक्तिकाव्य के विभिन्न धारा आ ओकर वैशिष्ट्य

इकाई – 4 संत काव्य : प्रमुख विशेषता, प्रमुख संतकवि आ ओह लोगन के अवदान

इकाई – 5 सगुण भक्तिकाव्य परम्परा, भोजपुरी सगुण भक्ति काव्य के प्रमुख विशेषता, प्रमुख सगुणभक्त कवि आ ओह लोगन के काव्य।

NDRTech.Com

अमिस्तावित ग्रंथ :

1. साहित्य का इतिहास दर्शन – आचार्य नलिन विलोचन शर्मा
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – राम कुमार वर्मा
5. साहित्य की इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
6. इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह
7. भोजपुरी साहित्य का इतिहास – कृष्णदेव उपाध्याय
8. भोजपुरी भाषा और साहित्य – उदय नारायण तिवारी
9. भोजपुरी के कवि और काव्य – दुर्गा शंकर प्रसाद सिंह
10. संतमत का सरभंग सम्प्रदाय – धर्मेन्द्र ब्रहमचारी शास्त्री
11. भोजपुरी के आदि काव्य – जयकान्त सिंह "जय"
12. भोजपुरी साहित्य के संक्षिप्त इतिहास – नागेन्द्र प्रसाद सिंह
13. राम भक्ति में रसिक सम्प्रदाय – भुवनेश्वर नाथ मिश्र "माधव"
14. भोजपुरी साहित्य का इतिहास – गदाधर सिंह
15. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास (16 वाँ खंड) – राहुल सांस्कृत्यायन आ कृष्णकान्त उपाध्याय,
16. भोजपुरी साहित्य के इतिहास – अर्जुन तिवारी
17. आधुनिक भोजपुरी काव्य के इतिहास – पं. जनार्दन प्रसाद द्विवेदी
18. भोजपुरी काव्य साहित्य के इतिहास – महेश्वराचार्य
19. भोजपुरी काव्य के इतिहास – भोजपुरी अकादमी प्रकाशन, बिहार सरकार, पटना

NDRTech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 1

M.A. (BHO) CC-02 प्राचीन आ मध्यकालीन काव्य 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : (कुल पाँच मे से तीन के उत्तर)	10× 3 = 30
2. लघुत्तरी प्रश्न : (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पाँच~~ चार के उत्तर)	~~5×5 = 25~~ 5×4=20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न :	2× 10= 20
	~~75~~ 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा	7.5×2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहार्पित कार्य (Assignment), पोस्टर	05
3. सेमिनार / क्विज	05
4. उपस्थिति / आचरण	~~05~~ 05
	~~25~~ 30

पाठ्य पुस्तक आ पाठ्यांश :

इकाई 1.	भोजपुरी के कवि और काव्य	–	दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
	सिद्ध साहित्य	–	सरहपा, ~~शबरपा~~ शबरपा, विरूपा, डोम्भिपा, कुक्कुरिया
इकाई 2.	भोजपुरी के कवि और काव्य	–	दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद,पटना
	गोरखनाथ	–	'गोरखबानी' के भोजपुरी छंद
इकई 3.	भोजपुरी के कवि और काव्य	–	दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह, बिहार राश्ट्रभाषा परिषद, पटना
	कबीरदास	–	पद संख्या 1,3,9,11,13,14,22,25
इकाई 4.	निरगुन बानी	–	सं. कुलदीप नारायण झड़प एवं शंभूशरण, अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन, पटना
	धनी धरमदास	–	सम्पूर्ण पद

NDRITech.Com

इकाई 5. निरगुन बानी – सं कुलदीप नारायण झड़प एवं शंभूशरण,

दरियादास, भीखम राम, टेकमन राम आ लछिमी सखी के संकलित सम्पूर्ण पद।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1. हिन्दी काव्य धारा – राहुल सांस्कृत्यायन, किताब महल, इलाहाबाद
2. नाथ सिद्धों की बानियाँ – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. भोजपुरी साहित्य का इतिहास – कृष्णदेव उपाघ्याय, भारतीय लोक संस्कृति शोध संस्था, वाराणसी
4. भोजपुरी के अदिकवि कबीर – प्रो० ब्रज किशोर एवं जीतेन्द्र वर्मा, अ.भा.-भोजपुरी साहित्य सम्मेलन, पटना
5. भोजपुरी साहित्य के संक्षिप्त रूपरेखा – तैयब हुसैन पीड़ित , शब्द संसार, पटना
6. भोजपुरी साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन – चन्द्रमा सिंह, जानकी प्रकाशन, पटना
7. गोरखबानी – पीताम्बर दत बड़थ्वाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
8. नाथ सम्प्रदाय – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. सिद्ध साहित्य – डॉ. धर्मवीर भारती, किताब महल, इलाहाबाद
10. सिद्धों की संधा भाषा – मंगल बिहारी शरण सिन्हा, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
11. मध्यकालीन कवियों की काव्य दृष्टि – विद्योतमा मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
12. भोजपुरी काव्यधारा – गदाधर सिंह

NDRITech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 1

M.A. (BHO) CC-03 कथा–साहित्य (उपन्यास–कहानी) 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे | पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10× 3 = 30
   (कुल पाँच मे से तीन के उत्तर)
2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~5×5 = 25~~ 5×4=20
   (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पाँच~~ चार के उत्तर)
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 2× 10= 20

~~75~~ 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा 7.5×2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहार्पित कार्य (Assignment), पोस्टर 05
3. सेमिनार / क्विज 05
4. उपस्थिति / आचरण ~~05~~=05

~~25~~ =30

निर्धारित पाठ्य पुस्तक आ पाठ्यांश :

इकाई 1. उपन्यास आ कहानी: परिभाषा आ स्वरूप, तत्त्व, भाषा आ शिल्प।

इकाई 2. फूलसुंधी – पाण्डेय कपिल

अथवा

ग्राम देवता – रामदेव शुक्ल

इकाई 3. धूमिल चुनरी – गणेशदत किरण, भोजपुरी अकादमी, पटना

अथवा

करेजा के काँट – अरूण मोहन भारवि, बंग भोजपुरी साहित्य परिषद् कलकता

NDRITech.Com

इकाई 4. सेसर कहानी भोजपुरी के – सं ब्रंजकिशोर

पाठ्यांश–

(क) कुंदन सिंह केसरबाई – आचार्य शिवपूजन सहाय

(ख) मछरी – रामेश्वर सिंह कश्यप

(ग) अपराधी – शिव प्रसाद सिंह

(घ) परमपद – दण्डिस्वामी विमलानंद सरस्वती

(च) सतवन्ती – रामनाथ पाण्डेय

(छ) एगो आउर अभिमन्यु – प्रो0 ब्रजकिशोर

(ज) तिरिया जनम जनि दीह विधाता – मिथिलेश्वर

अथवा

कथा मंजूषा – सं. कन्हैया सिंह सदय, विष्णुदेव तिवारी

पाठ्यांश :

(क) साँच के आँच – डॉ तैयब हुसैन पीडित

(ख) रकत सेनुर – डॉ उषा वर्मा

(ग) आप त समझतय होब – रामनाथ शिवेन्द्र

(घ) खोट – कन्हैया सिंह सदय

(च) चितकबरा पहाड़ वाला गाँव – डॉ अशोक द्विवेदी

(छ) सबनम के सपना – डॉ. अयोध्या प्रसाद उपाध्याय

(ज) मेहर मउगा – तुषार कान्त

इकाई 5. भोजपुरी कथा–यात्रा – सं. डॉ0 नीरज सिंह

पाठ्यांशः

(क) पहिल पाठ – मधुकर सिह

(ख) हादसा – कृष्णानंद कृष्ण

(ग) भूत – बरमेश्वर सिंह

(घ) जनावर – सुरेश कांटक

NDRITech.Com

(च) भ्रम – विष्णुदेव तिवारी

(छ) बरमूदा त्रिकोन – कृष्ण कुमार

(ज) थाती – नीरज सिंह

अभिस्ताक्ति ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा – रामदरश मिश्र
2. शील निरूपण : सिद्धान्त और विनियोग – श्री जगदीश पाण्डेय
3. उपन्यास : स्थिति और गति – चन्द्रकान्त वाडिवडेकर
4. भोजपुरी कथा साहित्य के विकास – विवेकी राय
5. भोजपुरी कहानी – विकास आ परंपरा – कृष्णानंद कृष्ण
6. कहानी : नई कहानी – नामवर सिह
7. उपन्यास का शिल्प – गोपाल राय
8. समकालीन भोजपुरी साहित्य के कहानी विशेषांक
9. उपन्यास की भाषा – जगदीश नारायण चौबे
10. कहानी : स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. भोजपुरी उपन्यासों में जीवन मूल्य – बलिराम प्रसाद, डी०पी०ए० पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

NDRITech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 1

M.A. (BHO) CC-04 भाषा विज्ञान आ भोजपुरी भाषा 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $10 \times 3 = 30$

   (कुल पाँच मे से तीन के उत्तर)

2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~$5 \times 5 = 25$~~ $5 \times 4 = 20$

   (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पाँच~~ चार के उत्तर)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : $2 \times 10 = 20$

$70 = 70$
~~75~~

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा $7.5 \times 2 = 15$
2. ~~अभिहस्तांकन~~ (Assignment), पोस्टर 05
3. सेमिनार / क्विज 05
4. उपस्थिति/आचरण

~~05~~ = 05
~~25~~ 30

निर्धारित ~~पाठ्यांश~~ : पाठ्यविषय :

इकाई – 1. भाषा विज्ञान – परिभाषा, अध्ययन के दिशा – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक आ तुलनात्मक, भाषा विज्ञान के ज्ञान के दोसर–दोसर शाखा से संबंध, विज्ञान के स्वरूप आ भाषा, वाक् अवयव आ ओकर कार्य, स्वनिम विज्ञान के स्वरूप आ अवधारणा, शब्द आ भेद;

इकाई – 2 अर्थ विज्ञान – परिभाषा आ स्वरूप, अर्थ के अवधारणा, शब्द आ अर्थ के सम्बंध , अर्थ परिर्वतन, अर्थ परिवर्तन के दिशा आ कारण,
शैली विज्ञान – परिभाषा , स्वरूप, शैली विज्ञान आ भाषा विज्ञान के संबंध;

इकाई – 3 रूप विज्ञान – स्वरूप आ भाषा, रूपिम के अवधारणा आ भेद–मुक्त, आबद्ध, अर्थदर्शी आ सम्बंधदर्शी, सम्बंधदर्शी रूपिम के भेद आ प्रकार्य;

इकाई – 4 भाषा– परिभाषा आ लक्षण, भाषा आ बोली, भोजपुरी भाषा के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्यभाषा, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा, आधुनिक भारतीय अर्थभाषा, भोजपुरी भाषा के विकास यात्रा, भोजपुरी के भौगोलिक विस्तार;

NDRTech.com

इकाई – 5 भोजपुरी के माषिक स्वरूप– उवसर्ग, प्रत्यय, समान, कारक, सर्वनाम आ विशेषण, भोजपुरी वर्तनी आ मानकीकरण,

देवनागरी लिपि – उद्‌भव आ विकास, गुण दोष, वैज्ञानिकता।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1.	भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र	–	कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
2.	शैली विज्ञान	–	सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3.	भाषा विज्ञान	–	भोलानाथ तिवारी
4.	भाषा विज्ञान की भूमिका	–	देवेन्द्र नाथ शर्मा
5.	भोजपुरी के आधुनिक भाषा शास्त्र	–	राजेन्द्र प्रसाद सिंह
6.	भोजपुरी की रूप ग्रामिक संरचना	–	शकुंतला तिवारी
7.	भोजपुरी के भाषा शास्त्र	–	राजेन्द्र प्रसाद सिंह
8.	शब्दार्थ तत्व	–	शोभाकान्त मिश्र
9.	भोजपुरी भाषा और साहित्य	–	उदय नारायण तिवारी
10.	ग्रामीण संस्कृति की धरोहर	–	केशव चन्द्र तिवारी.

NDRITech.Com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 2

M.A. (BHO) CC-05 भारतीय काव्य शास्त्र **5 क्रेडिट / 100 अंक**

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $10 \times 3 = 30$

   (कुल पाँच मे से तीन के उत्तर)

2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~$5 \times 5 = 25$~~ $5 \times 4 = 20$

   (कुल ~~आठ~~ ६: में से ~~पाँच~~ चार के उत्तर)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : $2 \times 10 = 20$

~~75~~ 70 = 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा 7.5×2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ (Assignment), पोस्टर 05
3. सेमिनार / क्विज 05
4. उपस्थिति/आचरण

~~05~~ = 05

~~25~~ 30

निर्धारित पाठ्यांश :

इकाई –1. काव्य – लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार, काव्य–गुण,काव्य–दोष, शब्दशक्ति;

इकाई – 2 रस सिद्धान्त – रस के स्वरूप, रस निष्पति, साधारणीकरण;

इकाई – 3 अंलकार सिद्धान्त, वक्रोक्ति सिद्धान्त, रीति सिद्धान्त, ध्वनि सिद्धान्त;

इकाई – 4 अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा,रूपक, दृष्टांत, संदेह, ~~भ्रान्तिमान~~ भ्रांतिमान, विभावना, अतिशयोक्ति, विरोधाभास।

इकाई – 5 छन्द दोहा, सोरठा, हरिगीतिका, रोला, बरवै, आल्हा, बिरहा, सोहर, चौपाई, सवैया, कवित्त। स

अभिस्तावित ग्रंथ

1. भोजपुरी काव्य में रस, अलंकार, छन्द, – ब्रजभूषण मिश्र।

NDRITech.com

2.	भोजपुरी छन्द मंजरी	–	शास्त्री सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी।
3.	भोजपुरी छन्द, अलंकार मंजरी	–	महेन्द्र सिंह।
4.	भारतीय अलंकारों का ऐतिहासिक विवेचन	–	राजवंश सहाय 'हीरा'
5.	अलंकार मुक्तावली	–	देवेन्द्रनाथ शर्मा
6.	काव्य दर्पण	–	रामदहिन मिश्र
7.	काव्यशास्त्र की भूमिका	–	नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
8.	भारतीय काव्यशास्त्र	–	विजय पाल सिंह, जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद
9.	भारतीय काव्यशास्त्र सिद्धान्त और समस्याएँ	–	डॉ. सुधांशु कुमार शुक्ला, नवराग प्रकाशन, दिल्ली
10.	काव्यशास्त्र	–	भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	–	गणपति चंद्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12.	साहित्य शास्त्र	–	संजय नवले, दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर
13.	रीति सिद्धान्त और शैली विज्ञान	–	सूर्यकान्त त्रिपाठी, अमन प्रकाशन, कानपुर

NDRITech.Com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 2

M.A. (BHO) CC-06 आधुनिक भोजपुरी काव्य 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10× 3 = 30

   (कुल पॉच मे से तीन के उत्तर)

2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~5×5 = 25~~ 5×4 = 20

   (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~प्रॉच~~ चार के उत्तर)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 2× 10= 20

   ~~75~~ 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा 7.5×2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहअर्पित कार्य (Assignment), पोस्टर 05
3. सेमिनार / क्विज 05
4. उपस्थिति / आचरण 05 = 05

~~20~~ 30

पाठ्य गंथ :

इकाई 1. भोजपुरी के कवि और काव्य – दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह

पाठ्यांश:

सरदार हरिहर सिंह, भुवनेश्वर प्रसाद'भानु', महादेव प्रसाद सिंह 'घनश्याम', विश्वनाथ प्रसाद 'शैदा', 'अशान्त', बाबू रघुवीर नारायण, मनोरंजन प्रसाद सिंह

इकाई–2 विश्वामित्र – डॉ० अमर सिंह

अथवा

बेटी मरे त मरे कुँआर – उदय प्रकाश

पाठ्यांश:

बड़ा–बड़ा फेर बा, जइसन देवता तइसन मनवना, हर के मारल हेंगा बिसराम, राम नाम सत हे, खरिहान के मसान जनि करऽ

NDRITech.com

इकाई–3 आधुनिक भोजपुरी के दलित कवि और काव्य– सं डॉ० राजेन्द्र प्रसाद सिंह, गौतम बुक सेंटर, दिल्ली ।

पाठ्यांशः

रसूल मियाँ – पद सं० 1, 2, 3, 4

इकाई–4 गोरख पाण्डेय के भोजपुरी गीत – सं0 डॉ0 जीतेन्द्र वर्मा, नेशनल बुक ट्रस्ट इण्डिया।

पाठ्यांशः

समाजवाद, मेहनत के बारहमासा, गुहार, अब नाहीं, जमीन।

अथवा

गीत–अगीत – बरमेश्वर सिंह

पाठ्यांशः

सोन किनारा बइठि के हम, घर–अंगना दुअरा मुसकाइल, हाड़ थूरि–थूरि के कमइलीं,

जिनगी अब ढ़ोवले ढ़ोवात नइखे, आगू में बिलाड़ अउर .....

इकाई–5 कह ना सकनीं – पाण्डेय कपिल

अथवा

समय के सच (गजल–संग्रह) – संपादक –जगन्नाथ

पाठ्यांशः

जगन्नाथ, पाण्डेय कपिल, नागेन्द्र प्रसाद सिंह, कृष्णानंद कृष्ण, भगवती प्रसाद द्विवेदी।

अभिस्तावित ग्रंथः

1. बाबू रघुवीर नारायण – रामशोभित प्रसाद सिंह, विशाल पब्लिशिंग, पटना।
2. भोजपुरी कविता के सामाजिकपरिप्रेक्ष्य – तैयब हुसैन 'पीड़ित', प्रकाशन, शब्द संसार, पटना।
3. कसउटी पर भोजपुरी कविता – ब्रजभूषण मिश्र, किताब पब्लिकेशन, मुजफ्फरपुर।
4. लोकरंग–1 एवं 2 – सं० सुभाषचंद्र कुशवाहा, सहयात्रा प्रकाशन प्रा० लि० दिल्ली।
5. भोजपुरी के कवि और काव्य – दुर्गाशंकर प्र० सिंह, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
6. महेन्द्र मिसिर; विविध आयाम – सुरेश कुमार मिश्र, स्वदेशी प्रेस, दिल्ली।
7. भोजपुरी गजल के विकास यात्रा – जगन्नाथ
8. हिन्दी महाकाव्यों का स्वरूप विकास – शम्भूनाथ सिंह

NDRTech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 2

M.A. (BHO) CC-07 नाटक, निबन्ध आ अनुवाद 5 क्रेडिट / 100 अंक

<u>अंक–विभाजन</u>

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10× 3 = 30

   (कुल पॉच मे से तीन के उत्तर)

2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~5×5 = 25~~ 5×4 = 20

   (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पाँच~~ चार के उत्तर)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 2× 10= 20

~~75~~ 70 = 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा 7.5×2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहार्पित कार्य (Assignment), पोस्टर 05
3. सेमिनार / क्विज 05
4. उपस्थिति / आचरण ~~05~~ = 05

~~25~~ 30

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ आ पाठ्यांश :

इकाई–1	शुरूआत	–	केदारनाथ पाण्डेय
	अथवा		
	हाथी के दाँत	–	सुरेश कांटक
इकाई–2	जोंक अथवा मेहरारून के दुरदसा	–	राहुल सांकृत्यायन
	अथवा		
	आदमियत (एकांकी संग्रह)	–	चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह
	पाठ – प्रथम तीन एकांकी		

NDRITech.Com

इकाई–3	हमार गाँवः हमार घर	–	डॉ० प्रभुनाथ सिंह
	पाठ्यांश : प्रथम सात निबंध		
	अथवा		
	सोच-विचार	–	नागेन्द्र प्रसाद सिंह
	पाठ्यांश : 3, 4, 6, 7, 10		
इकाई–4	रामजी के सुगना'	–	अशोक द्विवेदी
	पाठ 1, 2, 3, 4		
	अथवा		
	माया महाठगिनी	–	गदाधर सिंह
	पाठ– 1, 2, 3, 4		
इकाई–5	स्वप्नवासवदत्तम (भोजपुरी अनुवाद)	–	पँ0 देवकुमार मिश्र 'अलमस्त'
	अथवा		
	मेघदूत के गीत	–	डॉ0 अवधेश प्रधान

अभिस्तावित ग्रंथः

1. हिन्दी नाटकः उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाट्य शिल्प – विजय कुमार।
3. हिन्दी नाट्शास्त्र का स्वरूप – नर्वदेश्वर राय
4. नाटक और रंगमंच – सीताराम झा 'श्याम'
5. आधुनिक साहित्यिक निबंध – त्रिभुवन सिंह
6. निबंध : सिद्धान्त और प्रयोग – हरिहर नाथ द्विवेदी
7. हिन्दी गद्य की नयी विधाएँ – कैलाशचन्द्र भाटिया
8. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच – सीता राम चतुर्वेदी।

NDRTech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 2

M.A. (BHO) CC-08 भारतीय साहित्य 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10× 3 = 30

(कुल पॉच मे से तीन के उत्तर)

2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~5×5 = 25~~ 5×4=20

(कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पॉच~~ चार के उत्तर)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 2× 10= 20

~~75~~ 70=70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा 7.5×2 = 15

2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहार्पित कार्य (Assignment), पोस्टर 05

3. सेमिनार / क्विज 05

4. उपस्थिति / आचरण ~~05~~ =05

~~25~~ = 30

पाठ्यपुस्तक आ पाठ्यांश :

इकाई–1 भारतीय साहित्य के स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन के आवश्यकता, भारतीय जीवन मूल्य आ भारतीय साहित्य, भारतीय साहित्य में आधुनिक भारत के बिम्ब, भारतीय दलित साहित्य।

इकाई–2 प्रमुख भारतीय भाषा के साहित्य के विकासात्मक परिचय– मैथिली, मगही, बंगला, उर्दू, मराठी।

इकाई–3 फैज की प्रतिनिधि कविताएँ – फैज अहमद फैज, राजकमल प्रकाशन

इकाई–4 गीतांजलि (बंगला) के भोजपुरी संस्करण – अनुवादक–सिपाही सिंह 'श्रीमंत', कन्फ्लुएंस इंटरनेशनल, नई दिल्ली

अथवा

मेघदूतम (संस्कृत) के भोजपुरी संस्करण – अनुवादक–हवलदार त्रिपाठी सहृदय'

NDRITech.Com

इकाई–5 आलोचनात्मक परिचय – रवीन्द्रनाथ ठाकुर, शरत्चन्द्र, गालिब, कालिदास।

अभिस्तावित ग्रंथः

1. भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – सं0 गोपाल शर्मा, टिक्कूतारा एवं जगदीश चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली।
2. बंगला साहित्य का इतिहास – सत्येन्द्र, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
3. तमिल साहित्यः एक झांकी – एम.शेषन, मीनाक्षी प्रकाशन, चेन्नई
4. असमिया साहित्य और साहित्यकार – चित्र महंत, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
5. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – सं0 नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
6. मराठी साहित्यः परिदृश्य – चंन्द्रकांत बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. दलित साहित्य का इतिहास– भूगोल – जयप्रकाश कर्दम एवं डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह, विशाल पब्लिकेशन, पटना।
8. दलित आन्दोलन के विविध पक्ष – शत्रुघ्न कुमार, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद।
9. हिन्दी साहित्य का सबाल्टर्न इतिहास – राजेन्द्र प्रसाद सिंह, गौतम बुक सेंटर दिल्ली।
10. प्रमुख बिहारी बोलियों का तुलनात्मक अध्ययन – त्रिभुवन शुक्ल।
11. बिहारी बोलियों की उत्पत्ति और विकास – नलिन मोहन सान्याल
12. मैथिली भाषा का विकास – गोविन्द झा
13. मगही भाषा और साहित्य – सम्पत्ति आर्याणी
14. उर्दू साहित्य का इतिहास – फिराक गोरखपुरी
15. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।

NDRITech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 2

M.A. (BHO) CC-09 भोजपुरी साहित्य के इतिहास 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : (कुल पॉच मे से तीन के उत्तर)	10× 3 = 30
2. लघुत्तरी प्रश्न : (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पॉच~~ चार के उत्तर)	~~5×5 = 25~~ 5×4 = 20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न :	2× 10= 20
	~~75~~ 70 = 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा	15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहार्पित कार्य (Assignment), पोस्टर	05
3. सेमिनार / क्विज	05
4. उपस्थिति / आचरण	~~05~~ = 05
	~~25~~ 30

निर्धारित विषय :

इकाई–1 आधुनिक काल के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक आ सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, 1857 के स्वाधीनता संघर्ष, भारतीय नवजागरणः स्वरूप आ ओकर प्रभाव ;

इकाई–2 भोजपुरी काव्य के प्रमुख विधा – प्रबंध काव्य, गीत, गजल, नवगीत, प्रमुख कवि आ काव्य, विभिन्न काव्य–प्रवृत्ति ;

इकाई–3 भोजपुरी गद्य के प्रमुख विधा – नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, आलोचना, पत्राकारिता, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, साक्षात्कार, रिपोर्ताज, यात्रावृत्त आदि के विकास, स्वरूप, प्रवृत्ति आ महत्त्व;

इकाई–4 भोजपुरी में दलित साहित्य के उद्भव आ विकास, अवधारणा, दर्शन, आ ओकर प्रवृत्ति।

भोजपुरी के दलित साहित्य – काव्य, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध, आत्मकथा;

NDRITech.Com

इकाई–5 हिन्दीतर क्षेत्र आ देशान्तर में भोजपुरी भाषा आ साहित्य।

अभिस्तावित ग्रंथः

1.	भोजपुरी साहित्य का इतिहास	–	कृष्णदेव उपाध्याय, भारतीय लोक संस्कृति शोध संस्थान, वाराणसी।
2.	भोजपुरी के कवि और काव्य	–	दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
3.	भोजपरुी साहित्यः प्रगति की पहचान	–	विवेकी राय, भोजपुरी साहित्य संस्थान, पटना।
4.	भोजपुरी कथा साहित्य के विकास	–	विवेकी राय, भोजपुरी अकादमी, पटना।
5.	भोजपुरी के दलित कवि और काव्य	–	राजेन्द्र प्रसाद सिंह
6.	भिखारी ठाकुर रचनावली	–	प्र० सं० वीरेन्द्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
7.	रंगमंच पर मॉरीशस	–	सं० तैयब हुसैन 'पीड़ित', अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन, पटना।
8.	भोजपुरी कहानी	–	विकास आ परम्परा– कृष्णानन्द कृष्ण, भोजपुरी संस्थान, पटना।
9.	भोजपुरी गजल के विकास यात्रा	–	जगन्नाथ, पुष्कर प्रकाशन, पटना।
10.	भोजपुरी उपन्यासों में जीवन मूल्य	–	बलिराम प्रसाद, डी०पी०एस० पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
11.	भोजपुरी कहानी साहित्य की युगीन चेतना	–	महामाया प्रसाद 'विनोद' कॉनफ्लुएंस इंटरनेशनल, नई दिल्ली।
12.	इक्कीसवीं सदी में भोजपुरी	–	प्रो0 ब्रजकिशोर

NDRITech.Com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 3

M.A. (BHO) CC-10 पाश्चात्य काव्यशास्त्र आ भोजपुरी आलोचना 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $10 \times 3 = 30$

   (कुल पाँच मे से तीन के उत्तर)

2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~$5 \times 5 = 25$~~ $5 \times 4 = 20$

   (कुल ~~आठ~~ ६; में से ~~पाँच~~ चार के उत्तर)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : $2 \times 10 = 20$

~~75~~ 70 = 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा $7.5 \times 2 = 15$
2. ~~अभिहस्तांकन~~ (Assignment), पोस्टर (गृहार्पित कार्य) 05
3. सेमिनार / क्विज 05
4. उपस्थिति / आचरण

~~25~~ 05 = 05

~~25~~ = 30

निर्धारित पाठ्य विषय :

इकाई–1.	अरस्तू	–	अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन;
इकाई–2	लोंजाइनस	–	उदात्त के अवधारणा;
	टी.एस. इलिएट	–	निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त;
इकाई–3	आई. ए. रिचर्ड्स	–	सम्प्रेषण सिद्धान्त
	क्रोचे	–	अभिव्यंजनावाद;
इकाई–4	आलोचना	–	परिभाषा, महत्त्व आ उपयोगिता, आलोचना के प्रकार, भोजपुरी आलोचना के उद्भव आ विकास;
इकाई–5	भोजपुरी के प्रमुख आलोचक	–	विवेकीराय, महेश्वराचार्य, नागेन्द्र प्रसाद सिंह, भगवती प्रसाद द्विवेदी, तैयब हुसैन पीड़ित, प्रो. ब्रजकिशोर, गदाधर सिंह; डॉ. नन्दकिशोर तिवारी.

NDRITech.com

अभिस्तावित ग्रंथ :

1.	हिन्दी आलोचना का विकास	–	नन्द किशोर नवल
2.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	–	देवेन्द्रनाथ शर्मा
3.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	–	रामपूजन तिवारी
4.	अरस्तू का काव्यशास्त्र	–	नगेन्द्र
5.	अरस्तू आ टी.एस. इलियट	–	रामाज्ञा सिंह
6.	काव्य में अभिव्यंजनावाद	–	लक्ष्मी नारायण सुधांशु
7.	पाश्चात्य काव्य चिंतन	–	शोभाकान्त मिश्र
8.	पाश्चात्य काव्य चिंतन	–	सिद्धार्थ शिवशंकर सहाय
9.	भोजपुरी साहित्य : प्रगति की पहचान	–	विवेकी राय
10.	डॉ. विवेकी राय : व्यक्तित्व आ कृतित्व	–	प्रो. ब्रजकिशोर

NDRITech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 3

M.A. (BHO) CC-11 प्रयोजनमूलक भोजपुरी 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : (कुल पाँच मे से तीन के उत्तर)	10× 3 = 30
2. लघुत्तरी प्रश्न : (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पाँच~~ चार के उत्तर)	~~5×5 = 25~~ 5×4 = 20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न :	2× 10= 20
	~~75~~ 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा	7.5×2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ प्रदायित कार्य (Assignment), पोस्टर	05
3. सेमिनार / क्विज	05
4. उपस्थिति / आचरण	05 = 05
	30

निर्धारित पाठ्य विषय :

इकाई–1	भोजपुरी के विभिन्न रूप –	मातृभाषा, बोल-चाल के भाषा, सम्पर्क भाषा, सर्जनात्मक भाषा, व्यावसायिक भाषा;
इकाई–2	भोजपुरी भाषा के विभिन्न प्रकार्य –	प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी, परिपत्र, अधिसूचना,
	पारिभषिक शब्दावली –	अभिप्राय, स्वरूप, महत्त्व, निमार्ण के सिद्धान्त;
इकाई–3	कम्प्यूटर (संगणक) –	परिचय, रूप–रेखा, उपयोगिता, इन्टरनेट–परिचय, ई–मेल, सॉफ्टवेयर, पैकेज, ई–लाइब्रेरी;
इकाई–4	अनुवाद –	सिद्धान्त आ प्रयोग, अनुवाद के आशय, स्वरूप, भूमिका, क्षेत्र, प्रकार, प्रक्रिया आ प्रविधि, अनुवाद के समस्या आ समाधान;
इकाई–5	पत्रकारिता –	स्वरूप आ प्रकार, समाचार लेखन कला, सम्पादकीय लेखन, साक्षात्कार , फीचर, पीत पत्रकारिता, भोजपुरी पत्रकारिता–सामान्य परिचय, विज्ञापन।

अभिस्तावित ग्रंथः

1. व्यावहारिक हिन्दी – कृष्ण कुमार
2. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
3. कम्प्यूटर परिचय – अरूण कपूर
4. गोल्ड इंटरनेट – बादल कुमार शर्मा
5. भोजपुरी व्याकरण, शब्द कोश आ अनुवाद की समस्या – राजेन्द्र प्रसाद सिंह
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी – दिनेश प्रसाद सिंह
7. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम – वेद प्रताप वैदिक
8. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मलहोत्रा
9. प्रयोजनमूलक भोजपुरी – डॉ॰ शिवेश्वर पाण्डेय

NDRITech.Com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 3

M.A. (BHO) CC-12 | **भोजपुरी के कुँवर काव्य** | **5 क्रेडिट / 100 अंक**

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे | **पूर्णांक – ~~75~~ 70**

1. आलोचनात्मक प्रश्न : (कुल पाँच मे से तीन के उत्तर)	10× 3 = 30
2. लघुत्तरी प्रश्न : (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पाँच~~ चार के उत्तर)	~~5×5 = 25~~ 5×4 = 20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न :	2× 10= 20
	~~75~~ 70 = 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा	7.5×2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहार्पित कार्य (Assignment), पोस्टर	05
3. सेमिनार / क्विज	05
4. उपस्थिति / आचरण	~~05~~ 05
	~~25~~ 30

निर्धारित पाठ्य पुस्तकः

इकाई–1	कालजयी कुँवर सिंह	–	सर्वदेव तिवारी राकेश
इकाई–2	कुँवर सिंह	–	हरेन्द्र देव नारायण
इकाई–3	कुँअर सिंह	–	चन्द्रशेखर मिश्र
इकाई–4	जयधोष	–	चौधरी कन्हैया प्रसाद सिंह
	अथवा		
	वीर कुँवर सिंह	–	हीरा प्रसाद ठाकुर
इकाई–5	कुँवर बावनी	–	भुवनेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव 'भानु'

अभिस्तावित ग्रंथ

1. भोजपुरी लोकगाथा – सत्यव्रत सिंह
2. भोजपुरी लोकगीत (खण्ड–1,2,3,) – कृष्णदेव उपाध्याय
3. कुँवर सिंह नाटक – दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह 'नाथ'
4. वीर कुँवर सिंह – रास बिहारी लाल
5. 1857 और वीर कुँवर सिंह – जनरल एस० के सिन्हा
6. कुँवर सिंह – अमर सिंह – के० के० दत्ता
7. ~~[illegible] – [illegible] पाण्डेय~~
8. ~~अभिनव पंथी अनुशीलन – डॉ० शिववंश पाण्डेय~~

NIDRITech.Com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 3

M.A. (BHO) CC-13 पत्रकारिता आ भोजपुरी पत्रकारिता 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10× 3 = 30

   (कुल पाँच मे से तीन के उत्तर)

2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~5×5 = 25~~ 5×4 = 20

   (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पाँच~~ चार के उत्तर)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 2× 10= 20

~~75~~ 70 = 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा 7.5×2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ (Assignment), पोस्टर 05
3. सेमिनार / क्विज 05
4. उपस्थिति/आचरण

~~25~~ 05 = 05

30

निर्धारित पाठ्य विषय :

इकाई –1 पत्रकारिता: अभिप्राय, परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र, प्रकार; सम्पादन–कला के सामान्य सिद्धान्त, सम्पादकीय लेखन, शीर्षक निर्माण, सामग्री– संकलन, पृष्ठ विन्यास, संवाददाता के कार्य आ महत्त्व, समाचार के विभिन्न स्रोत, पत्रकारिता प्रबंधन, विज्ञापन;

इकाई–2 विश्व पत्रकारिता के उदभव आ विकास,
भारत में पत्रकारिता के उद्भव आ विकास;

इकाई–3 भोजपुरी पत्रकारिता के उदय, पृष्ठभूमि, प्रारम्भिक भोजपुरी पत्रकारिता;
स्वातंत्र्योत्तर भोजपुरी पत्रकारिता, भोजपुरी पत्रकारिता के विविध रूप– साहित्यिक पत्रकारिता, व्यावसायिक पत्रकारिता, भोजपुरी पत्रकारिता के भविष्य;

इकाई–4 भोजपुरी के प्रमुख पत्र–पत्रिका आ पत्रकार लोगन के सामान्य परिचय,

प्रमुख पत्रकार – महेन्द्र शास्त्री, अवध बिहारी 'सुमन', प्रो० विश्वनाथ सिंह, पाण्डेय नर्मदेश्वर सहाय, पाण्डेय कपिल, अरूणेश नीरन,

प्रमुख पत्र–पत्रिका– भोजपुरी, अंजोर, लुकार, भोजपुरी साहित्य सम्मेलन पत्रिका, समकालीन भोजपुरी साहित्य, भोजपुरी अकादमी पत्रिका, विश्व भोजपुरी;

NDRTech.com

इकाई–5 पत्रकारिता : विधिक अध्ययन – भारतीय संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार, मानवाधिकार, सूचनाधिकार, प्रेस सम्बंधी कानून आ आचार संहिता, चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता के भूमिका आ महत्त्व।

अभिस्तावित ग्रंथ

1.	हिन्दी पत्रकारिताः विविध आयाम	–	वेदप्रताप वैदिक
2.	साहित्यिक पत्रकारिता	–	राम मोहन पाठक
3.	सम्पादन–कला	–	पी० के० नारायण
4.	जन संचार और हिन्दी पत्रकारिता	–	अर्जुन तिवारी
5.	समाचार संकलन और लेखन	–	नन्द किशोर मिश्रा
6.	इक्कीसवी सदी में भोजपुरी	–	सं० नागेन्द्र प्रसाद सिंह

NDRITech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 3

M.A. (BHO) CC-14 मॉरीशस के भोजपुरी साहित्य 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10× 3 = 30

(कुल पॉच मे से तीन के उत्तर)

2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~5×5 = 25~~ 5×4=20

(कुल ~~आठ~~ छः में से ~~पॉच~~ चार के उत्तर)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 2× 10= 20

~~75~~ 70 = 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा 7.5 × 2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहार्पित कार्य (Assignment), पोस्टर 05
3. सेमिनार / क्विज 05
4. उपस्थिति / आचरण 05 = 05

~~25~~ = 30

निर्धारित पाठ्य विषय :

मॉरीशस : देश आ निवासी, मॉरीशस में भोजपुरी भाषी समुदाय, मॉरीशस में भारतीय संस्कृति, मॉरीशस के लोक–साहित्य, भोजपुरी संस्कार गीत, मॉरीशस के भोजपुरी कविता, मॉरीशस के भोजपुरी कथा–साहित्य, भोजपुरी गद्य के अन्य विद्या।

निर्धारित पाठ्यग्रंथ आ पाठ्यांश :

इकाई–1 संस्कार मंजरी – सुचीता रामदीन (मॉरीशस के भोजपुरी संस्कार गीत), महात्मा गॉधी संस्थान प्रकाशन, मोका, मॉरीशस।

(क) उचित वर खोजे खातिर पिता से कन्या के विनती (पृ०सं०–505) – बर हेरन बाबा गइलन,
बीत ही गइलें सांझ।

(ख) सिन्दुर–दान गीत (पृ०सं०–521) – दादा दादा पुकारिला दादा नाहीं बोलेला हो।

NDRITech.Com

(ग)	विदाई गीत (पृ०सं०–547)	–	केकर रोवेला गंगा हो भरल केकरा रोवेला समुन्दर हो।
	(पृ०सं०–548–549)	–	बाँसवा के जोरिया सुन्दरिया एक हो जनमल।
	(पृ०सं०–550)	–	समऽरी समऽरी पगे धरिहस बेटी देश बिदन जइबऽ हो। अइसन देस अब जइबऽ बेटी नइहर लोग नाहीं कोई।
इकाई–2	मॉरीशस के भोजपुरी कविता संग्रह	–	सं० गिरजानन्द सिंह विसेसर (अरविन्द) डॉ० हेमराज सुन्दर (प्र० महात्मा गॉधी संस्थान मॉरीशस)
	पाठ्यांश : धनराज शम्भू से विष्णुदत्त तक के कविता।		
इकाई–3	मॉरीशस के भोजपुरी कविता संग्रह	–	सं० गिरजानन्द सिंह विसेसर (अरविन्द) डॉ० हेमराज सुन्दर (प्र० महात्मा गॉधी संस्थान मॉरीशस)
	पाठ्यांश : रामियाद सत्यवती सीता से इलीहल कलवती तक के कविता ।		
इकाई–4	हमार बिहार यात्राः चम्पारण के पुकार	–	सरिता बुधु।
इकाई–5	रामबिरिछ	–	बलवन्त सिंह नौबत सिंह ।
	पाठ्यांश	–	तीनों भोजपुरी कहानी।
	अथवा		
	चुलचुल्ली (कहानी सार)	–	श्री गिरजानन दर्शन शर्मा (खीरू राज)

अभिस्वावित ग्रंथः

1.	प्रवासी भारतीयों की हिन्दी सेवा	–	कैलास कुमारी सहाय
2.	मॉरीशस का लोक साहित्य एवं भारतीय संस्कृति	–	उदय नारायण भांगु (महात्मा गॉधी संस्थान मॉरीशस)
3.	संस्कार मंजरी	–	सुचीता रामदीन
4.	मॉरीशस में भारतीयों का इतिहास	–	किसुन सिंह हजारी सिंह, (अनुवाद – अभिमन्यु अनत)
5.	गंगनाचल (मॉरीशस अंक)	–	1965, नई दिल्ली ।
6.	मॉरीशस का इतिहास	–	प्रहलाद राम रमण
7.	मॉरीशस के भोजपुरी गीतों का विवेचनात्मक अध्ययन	–	कुबेर मिश्र।
8.	मॉरीशसः लोक साहित्य और संस्कृति	–	प्रहलाद रामसरण।
9.	मॉरीशस की लोक कथाएँ	–	प्रहलाद रामशरण
10.	मॉरीशस की भोजपुरी प्रचलित लोकोक्तियॉ, मुहावरे, और पहेलियाँ–	–	दिमलाल मोहित।
11.	कन्यादान	–	सरिता बुधु
12.	मॉरीशस की भोजपुरी परंपराएँ	–	सरिता बुधु
13.	भोजपुरी के सहज व्याकरण	–	सरिता बुधु
14.	प्रवासी श्रम इतिहास	–	धंनजय सिंह
15.	मॉरीशसः देश और निवासी	–	जितेन्द्र कुमार मित्तल

NDRTech.Com

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 4

ऐच्छिक / इलेक्टिव कोर्स (पत्र)

M.A. (BHO) EC-01 (खण्ड क) लोक नाटक आ रंगमंच 5 क्रेडिट / 100 अंक

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे पूर्णांक – ~~75~~ 70

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10× 3 = 30

(कुल पॉच मे से तीन के उत्तर)

2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~5×5 = 25~~ 5×4 = 20

(कुल ~~आठ~~ छः में से ~~प्रॉच~~ चार के उत्तर)

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 2× 10= 20

~~75~~ 70 = 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा 7.5×2 = 15
2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहकार्य कार्य (Assignment), पोस्टर 05
3. सेमिनार / क्विज 05
4. उपस्थिति / आचरण ~~25~~ 05 = 05

30

निर्धारित पाठ्य विषय :

इकाई–1 लोक नाटक आ रंगमंच – परिभाषा आ स्वरूप, अन्तः सम्बन्ध, नाट्योत्पत्ति सम्बंधी विभिन्न मत, भरत मुनि आ उनकर नाट्यशास्त्र

इकाई–2 नाटक के भेद – भारतीय आ पाश्चात्य दृष्टि, नाट्यविधान – भारतीय आ पाश्चात्य दृष्टि, नाट्य भाषा, नाट्य भाषा आ नाट्य, अभिनय सम्बंधी भरत मुनि के चिंतन, अभिनय सम्बंधी पाश्चात्य चिंतन, नाट्य–संगीत, नाट्य वाद्ययंत्र

इकाई–3 नुक्कड़ नाटक – अभिप्राय, स्वरूप आ इतिहास, रंगमंच– प्रकार, रंग शिल्प, रंग सम्प्रेषण, आधुनिक रंग– प्रयोग, भोजपुरी रंगमंच के इतिहास

इकाई–4 भोजपुरी क्षेत्र के प्रमुख नाट्य संस्थन आ रंगकर्मी लोगन के परिचयात्मक अध्ययन, भिखारी ठाकुर के विदेसिया आ गबरधिचोर नाटकन के समीक्षात्मक अध्ययन,

NIDRITech.Com

इकाई–5 रामलीला, रासलीला, नौटंकी आ भाँड़ नाट्य शैली के परिचयात्मक अध्ययन,

भिखारी ठाकुर के भाई विरोध आ गंगा स्नान नाटकन के समीक्षात्मक अध्ययन।

अभिस्तावित ग्रंथः

1. नाट्य शास्त्र – बाबू लाल शुक्ल, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी नाटक और रंगमंच – इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली
3. रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. नाट्य प्रस्तुतिः एक परिचय – रमेश राजहंस, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी रंगमंच का उद्भव और विकास – विश्वनाथ शर्मा, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
6. भिखारी ठाकुर – तैयब हुसैन 'पीड़ित', साहित्य अकादमी नई दिल्ली
7. परम्पराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना
8. भिखारी ठाकुर जन्म शताब्दी विशेषांक – सं0–पाण्डेय कपिल
9. नाटक और रंगमंच – सीता राम झा 'श्याम'
10. बिहार की नाटकीय लोक विधाएँ – महेश कुमार सिन्हा
11. लोकधर्मी नाट्य परम्परा – श्याम परमार
12. जनकवि भिखारी ठाकुर – महेश्वराचार्य
13. रासलीला– एक परिचय – सं०–गोविन्द दास एवं राम नारायण अग्रवाल
14. भारत के लोक नृत्य – लक्ष्मी नारायण गर्ग, संगीत कार्यालय हाथरस
15. कीर्तिनिया नाटक – जयकान्त सिंह 'जय'

15. लोरिक न्याय अनुशीलन – शिवंश पाण्डेय

NDRITech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 4

ऐच्छिक / इलेक्टिव कोर्स (पत्र)

M.A. (BHO) EC-01 (खण्ड ख) उपन्यास **5 क्रेडिट / 100 अंक**

अंक–विभाजन

समय – 3 घंटे **पूर्णांक – ~~75~~ 70**

1. आलोचनात्मक प्रश्न : **10× 3 = 30**
   (कुल पॉच मे से तीन के उत्तर)
2. लघुत्तरी प्रश्न : ~~**5×5 = 25**~~ 5×4=20
   (कुल ~~आठ~~ छः में से ~~प्रॉच~~ चार के उत्तर)
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न : **2× 10= 20**

~~**75**~~ 70

आन्तरिक मूल्यांकन :

1. लिखित परीक्षा 7.5×2 = **15**
2. ~~अभिहस्तांकन~~ गृहार्पित कार्य (Assignment), पोस्टर **05**
3. सेमिनार / क्विज **05**
4. उपस्थिति / आचरण 05=05

~~**25**~~ 30

निर्धारित पाठ्य विषय :

इकाई– 1	अन्हरिया छटपटात रहे	–	रामनाथ पाण्डेय
इकाई – 2	भोर मुसुकाइल	–	विक्रमा प्रसाद
इकाई – 3	बेचारा सम्राट	–	अनिल ओझा 'नीरद'
इकाई – 4	आवऽ लवटि चलींजा	–	अशोक द्विवेदी
इकाई – 5	पूर्वी के धाह	–	जौहर शफियाबादी

अभिस्तावित ग्रंथः

1. भोजपुरी उपन्यासों में जीवन मूल्य – बलिराम प्रसाद
2. भोजपुरी कथा साहित्य के विकास – विवेकी राय
3. उपन्यास का शिल्प – गोपाल राय
4. हिन्दी उपन्यासः एक अन्तर्यात्रा – रामदरश मिश्र
5. उपन्यास स्थिति और गति – चन्द्रकान्त वाडिवडेकर
6. उपन्यास की भाषा – जगदीश नारायण चौबे

NDRITech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 4

ऐच्छिक / इलेक्टिव कोर्स (पत्र)

M.A. (BHO) EC-02 (खण्ड क) साहित्यिक निबंध **5 क्रेडिट / 100 अंक**

1. एह पत्र में दुगो खण्ड रही – 'क' आ 'ख'। खण्ड – 'क' में भोजपुरी के साहित्यकार लोगन अथवा चर्चित कृतियन प केन्द्रित चार गो विषय देल जाई जवना में से कवनो एगो प परीक्षार्थी के नातिदीर्घ निबंध लिखे के होई।

2 खण्ड – 'ख' में भोजपुरी साहित्य के इतिहास, भोजपुरी भाषा, भारतीय आ पाश्चात्य काव्यशास्त्र, भोजपुरी पत्रकारिता आदि से सम्बंधित चार गो विषय देल जाई, जवना में से कवनो एगो प परीक्षार्थी के नातिदीर्घ निबंध लिखे के होई।

3. दुनो खण्ड से एक–एक ठो निबंध लिखल जरूरी होई।

5. दुनों निबंध 50–50 अंक के होइहन स। प्रत्येक खण्ड में उत्तीर्णांक 20 अंक होई बाकिर दुनो खण्ड मिला के 50 अंक ले आवल जरूरी होई।

6. एह पत्र में कवनो आन्तरिक परीक्षा ना होई।

7. एह पत्र के तैयारी के क्रम में परीक्षार्थी के निबंध–लेखन के सतत् अभ्यास करे के चाहीं।

NDRITech.com

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातकोत्तर भोजपुरी

सेमेस्टर – 4

ऐच्छिक / इलेक्टिव कोर्स (पत्र)

M.A. (BHO) EC-02 (खण्ड ख) **लघु शोध प्रबंध** **5 क्रेडिट / 100 अंक**

1. एह पत्र में परीक्षार्थी के भोजपुरी भाषा आ साहित्य से सम्बंधित कवनो विषय प लगभग 100 पृष्ठ के लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करे के होई।

2 लघु शोध प्रबंध के विषय के निर्धारण विभागीय परिषद् के सहमति से विभागाध्यक्ष द्वारा कइल जाई।

3. लघु शोध प्रबंध लेखन में समुचित मार्गदर्शन करे के उद्देश्य से विभागाध्यक्ष द्वारा प्रत्येक परीक्षार्थी के एगो विभागीय शिक्षक के साथे सम्बद्ध कइल जाई, जेकरा के ओह परीक्षार्थी के शोध–निर्देशक कहल जाई।

4. लघु शोध प्रबंध के परीक्षण 75 अंक में कइल जाई। परीक्षण के उपरांत 25 अंक के मौखिकी होई। परीक्षार्थी के दुनो में उत्तीर्ण भईल जरूरी होई।

NDRITech.Com

NDRITech.com